विश्व ज़ूनोसिस दिवस

स्रोत: पी.आई.बी.

विश्व ज़ूनोसिस दिवस के उपलक्ष्य में, **पशुपालन और डेयरी विभाग** द्वारा विश्व ज़ूनोसिस दिवस की पूर्व संध्या पर **पशुपालन तथा डेयरी सचिव (AHD) की अध्यक्षता में एक बातचीत सत्र का आयोजन** किया गया।

- यह दिवस लुई पाश्चर **के सम्मान में** मनाया जाता है, जिन्होंने **6 जुलाई 1885** को एक ज़ूनोसिस रोग, **रेबीज़** का पहला सफल टीका लगाया था।
- **ज़ूनोसिस संक्रामक रोग हैं जो जानवरों एवं मनुष्यों के बीच स्थानांतरित** हो सकते हैं, जैसे रेबीज़, एंथ्रेक्स, इन्फ्लूएंजा (H1N1 और H5N1), निपाह, कोविड-19, ब्रूसेलोसिस **तथा** तपेदिक **आदि**।
  - ये **रोग विभिन्न रोगाणुओं के कारण** होते हैं, जिनमें जीवाणु, विषाणु, परजीवी **और** कवक शामिल हैं।
- कई **गैर-ज़ूनोटिक रोग मानव स्वास्थ्य के लिये खतरा उत्पन्न किये बिना पशुधन को प्रभावित** करते हैं।
  - उदाहरणों में फुट एंड माउथ डिजीज़, **पेस्टे डेस पेटिट्स रूमिनेंट्स (PPR)**, लम्पी स्किन डिज़ीज़, क्लासिकल स्वाइन फीवर तथा रानीखेत डिज़ीज़ शामिल हैं।
- सभी रोगों में से **लगभग 60% ज़ूनोटिक** हैं और 7**0% उभरते संक्रमण जानवरों से उत्पन्न** होते हैं।
- ज़ूनोटिक रोगों की रोकथाम एवं नियंत्रण करने हेतु टीकाकरण, स्वच्छता, पशुपालन प्रथाओं के साथ-साथ वन हेल्थ दृष्टिकोण के माध्यम से वेक्टर नियंत्रण पर भी निर्भर करता है।
- जोखिम को कम करने हेतु, DAHD ने राष्ट्रीय पशु रोग नियंत्रण कार्यक्रम (NADCP) के तहत **गोजातीय बछड़ों के ब्रुसेल्ला टीकाकरण के लिये एक राष्ट्रव्यापी अभियान** शुरू किया है और साथ ही पशु रोगों के नियंत्रण के लिये राज्यों को सहायता (ASCAD) के तहत रेबीज़ का टीकाकरण शुरू किया है।
- भारत में **वैश्विक पशुधन तथा मुर्गीपालन की संख्या क्रमशः 11% और 18%** है। इसके अतिरिक्त, भारत विश्व स्तर पर **दूध का सबसे बड़ा उत्पादक और अंडे का दूसरा सबसे बड़ा उत्पादक** है।

और पढ़ें: विश्व ज़ूनोसिस दिवस

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/world-zoonoses-day